>

Title: Need to set up a textile park at Yavatmal in Maharashtra.

**श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर):** माननीय सभापति जी, आपको धन्यवाद देते हुए मैं शून्य प्रहर में कपास उत्पादन करने वाले किसानों की समस्या और उनके विकास के संबंध में बोलने वाला हूं। केन्द्र सरकार ने हाल ही में कपास का प्रसंस्करण और इस क्षेत्र में व्यावसायिकता को बढ़ावा देने के लिए टेक्सटाईल पार्कों की घोषणा की है। इस नयी घोषणा की वज़ह से जहां पर कपास उत्पादन होने वाला है, वहां पर टेक्सटाईल पार्क बनेगा। वहां पर कपास का प्रसंस्करण होगा, रोजगार बढ़ेगा और उद्योग लगेंगे, इसके पीछे यह भावना है। लेकिन, बड़े दुख के साथ कहना है कि महाराष्ट्र में सर्वाधिक कपास उत्पादन करने वाला क्षेत्र विदर्भ है। विदर्भ के आठ जिलों में कपास की फसल की जाती है। यवतमाल सरीखे जिले में जहां पर 15000 एकड़ भूमि में कपास बोयी जाती है, इस टेक्सटाईल पार्क से यवतमाल जिले को वंचित रखा गया है। यवतमाल, चन्द्रपुर, वर्धा, अकोला, अमरावती जिले कपास उत्पादक जिले हैं और आत्महत्या प्रवण क्षेत्र है। आत्महत्या प्रवण जिले होने की वज़ह से माननीय प्रधानमंत्री जी ने यहां ग्राम मन्दिर योजना दी थी। यहां ज्यादा आत्महत्याएं होती हैं, इसलिए यहां 3,700 करोड़ का पैकेज भी दिया गया था। लेकिन, यहां कपास की इतनी ज्यादा फसल होने के बावजूद भी जो टेक्सटाईल पार्क बना है, उसमें यवतमाल जिले को वंचित रखा गया है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करूंगा कि जो चौदह जगहों पर टेक्सटाईल पार्क बनने जा रहे हैं, उसमें यवतमाल, चन्द्रपुर जिलों को लिया जाए। यहां पर बड़ी संख्या में बुनकर भाई रहते हैं और कपास की फसल भी बहुत ज्यादा होती है और अच्छी कपास होती है। पांडापाड़ा में जो कपास होती है, वह अच्छी क्वालिटी की कपास होती है।

मैं उम्मीद करता हूं कि सरकार यहां पर टेक्सटाईल पार्क बनाने की घोषणा करे।

**सभापति महोदय :**

श्री गोविन्द प्रसाद मिश्र,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल, और

श्री नारनभाई कछाड़िया अपने को श्री हंसराज गं. अहीर द्वारा उठाए गए विषय से सम्बद्ध करते हैं।